

भूकंप

भूकंप क्या है ?

भौगोलिक कारणों से जब भूमि के अन्दर चट्टानों के टूटने से कंपन तरंगें एक साथ सभी दिशाओं में बहती हैं जिसकी वजह से तेज थरथराहट या भूमि के हिलने को भूकंप कहते हैं।

“भूमि की सतह कई प्लेटों से मिलकर बनी हुई है। यह प्लेटें हमेशा घूमती हैं। जब कभी ये प्लेटें आपस में टकरा जाती हैं तो भारी मात्रा में ऊर्जा पैदा होती है जो तरंगों के रूप में पृथ्वी के अन्दर फैलती है जिससे भूकंप आ जाता है।”

“भूकंप अपने आने की सूचना पहले से नहीं देता है।”

“भूकंप कभी लोगों को नहीं मारता, कच्ची इमारतें मारती है।”

भूकंप से पहले अपने आप को तैयार करना:—

समय रहते अपने लिए सुरक्षा उपाय कर लेना चाहिए। अगर आप भूकंप आने की प्रतीक्षा करेंगे तो बहुत देर हो जाएगी। इसलिए निम्नलिखित सुरक्षा उपायों पर विचार करें:—

- निम्न सामान को अपने घर में हमेशा तैयार व आसानी से लाने व ले जाने के लिए थैले में डालकर रखें— पानी की बोतल, सूखा राशन (गुड़, चना आदि) प्राथमिक उपचार सामग्री, टार्च लाइट, रेडियो व बैटरी।
- परिवार के सभी सदस्यों को सिखाया जाए कि जरूरत के समय कैसे बिजली व गैस के कनेक्शन को काटा जाए।
- घर में ऐसे सुरक्षित स्थान को निश्चित करके रखा जाए जो भूकंप के दौरान आपको सुरक्षा दे सके।
- अपने शहर के बाहर ऐसे रिश्तेदार या दोस्त को सुनिश्चित करके रखा जाए जिन्हें आपातकाल के दौरान सूचित किया जा सके।
- अपने घर को ऐसे बनाया जाए जिससे भूकंप से कम से कम नुकसान हो।
- अगर आपके घर में दरारे पड़ी हुई हैं तो उन्हें ठीक व मजबूत करवा लें।
- अपने छत के ऊपर पानी की टंकी को ठीक प्रकार से मजबूत व फिक्स करके रखें ताकि नीचे न गिर जाए।
- घर में आपात निकास को सुनिश्चित व साफ करके रखें।
- भूकंप से बचने की कवायद का निरंतर अभ्यास करते रहें जिससे भूकंप के दौरान कार्यवाही करने में आसानी रहे।

जीवन रक्षक उपाय:-

जीवन रक्षक उपाय यह है जो कि मानव द्वारा इस्तेमाल किया जाता है जिससे डूबते हुए व्यक्ति को बचाया जाता है।

1. ड्राई रेस्कू :-

(क) रीच मैथड :- यह सर्वाधिक प्रभावशाली एवं सुरक्षित तरीका माना जाता है। इसमें छाती के बल डूबने वाले की ओर ज्यादा से ज्यादा नजदीक पहुँचकर बचाव करते हैं। इसमें लकड़ी या रस्सी का इस्तेमाल करते हैं।

(ख) थ्रो मैथड :- इस मैथड से डूबते हुए व्यक्ति का बचाने के लिए लाइफबूय आदि का प्रयोग इस प्रकार करते हैं कि डूबते हुए हो आसानी से पकड़ कर तैरकर किनारे तक पहुँच जायें।

(ग) वेडिंग मैथड :- इसमें बचाव करने वाला पानी में वहाँ तक जाता है जहाँ तक वह डूब न सके एवम् नजदीक से नजदीक पहुँचकर लकड़ी, रस्सी आदि की सहायता से डूबने वाले को किनारे तक लाया जाता है।

2. वेट रेस्क्यू :-

- (क) सम्पर्क द्वारा बचाव:-
- (ख) कलाई पकड़ कर खींचना:-
- (ग) हाथों से पकड़ कर खींचना:-
- (घ) सिर पकड़ कर खींचना:-
- (ङ) वाइस ग्रिप टो।
- (च) थोड़ी पकड़ कर खींचना:-

बचाव के दौरान यह आवश्यक है कि डूबते हुए व्यक्ति की स्वाँश का बहाल किया जाय।

भूकंप के दौरान:-

(क) यदि अन्दर हैं तो :-

- ✓ भयभीत न हों, शांति बनाए रखें व अन्दर ही बने रहें।
- ✓ किसी टेबल या मजबूत फर्नीचर के नीचे शरण लें और उस फर्नीचर के पैरों को मजबूती से पकड़ कर रखें ताकि वह हिलकर आपसे अलग न हो जाए।
- ✓ अगर घर में ऐसा कोई फर्नीचर नहीं है तो घुटने के बल मजबूत दिवार के साथ फर्श पर बैठ जाए व अपने हाथों को फर्श पर रख लें।
- ✓ दरवाजे के पास ना खड़े हों। तेज झटके से दरवाजा टूट सकता है और घायल कर सकता है।
- ✓ खिड़की से दूर रहें, काँच के शीशों से दूर रहें व भारी अलमारी व शोकेस से दूर रहें।
- ✓ अगर आप किसी कच्चे घर में हैं तो तुरंत उस घर से बाहर निकल जायें।
- ✓ एलिवेटर या लिफ्ट का प्रयोग ना करें। सीढ़ी से नीचे उतरें।

(ख) यदि बाहर हैं तो :-

- ❖ खुले मैदान में जाएँ, इमारतों से, लाइट के खम्भों व बिजली की तारों से दूर रहें।
- ❖ ऐसे स्थान पर ना रहें जहाँ, खुली बिजली की तार पड़ी हुई है तथा किसी धातु को न छुए। वह किसी बिजली के तार के साथ जुड़ी हो सकती है।
- ❖ बड़ें दरख्त के नीचे खड़े नहीं हो।
- ❖ क्षतिग्रस्त इमारत में घुसने की कोशिश न करें।

(ग) यदि किसी गाड़ी में हैं तो:-

- किसी खुले व साफ इलाके में जाए। इमारतों से, दरख्तों से, बिजली की तारों से दूर रहें और गाड़ी को रोककर उसके अंदर बैठे रहें। भूकम्प थमने पर सावधानी रखते हुए जाए और पुल का इस्तेमाल न करें वह क्षतिग्रस्त हो सकता है।

भूकम्प के बाद:-

- भयभीत न हों शांति बनाए रखें और अफवाह नहीं सुने और आफवाहें न फैलाए।
- पहले थरथराहट के बाद दूसरे थरथराहट के आने के लिए तैयार रहे।

- घायलों व फँसे हुए लोगों की मदद करें। जिन्हें जरूरत है उन्हें प्राथमिक उपचार दें।
- ध्यान रहे कि नवजात बच्चों, महिलाओं बुजुर्गों वह अपाहिज लोगों की मदद करें।
- क्षतिग्रस्त इमारत से दूर रहें।
- आग से बचें, मोमबत्ती व लालटेन का इस्तेमान न करके टॉच लाइट का इस्तेमाल करें।
- इस इमारत को जो गिरने वाली है, को घेरा डालें या चिन्हित करें व उसके नजदीक किसी को न जाने दें।
- रेडियो सुनें ताकि नई आपात जानकारियों से अवगत हो सकें।
- अपने घर में तभी जायें जब अधिकारिक रूप से घोषणा हो कि अब खतरा नहीं है।
- टेलीफोन का इस्तेमाल सिर्फ आपात सेवा के लिए ही करें।
- बिजली उपकरणों को चेक करें ताकि नुकसान का अंदेशा हो तो में फ्यूज निकाल दें।
- नागरिक सुरक्षा सावधानियों का पालन करें।